

10/1/22

बार-बार आवाज दिलेबापे जाने
 के फौजदारी भी वा तो अपीलाने
 एवं वा ही अभिभाषक अपीलाने उपर
 आये। उक्त: पञ्जाबी अदम: दायरी
 एवं अदम: रैरवी में खादिय की जाती
 है। पञ्जाब प्रेसल युगात् की अन्तर-स्वत
 से कम की जावे, बार-बार आवाज
 दायरी है।

सु-संयोजक-कार्यकारी,
 प्रथम: प्रणाल्य-प्राधिकारी,
 जयपुर संय-संयोजक